सुंदर जीवन जिओ

(कविता)

15

प्रातः हो या रात हो,
सरल, कठिन *हालात* हों।
स्वजन मिले या *शत्रु* कोई,
सत्य *सर्वदा* ही साथ हो।

रक्षक सभी का सत्य है,
जिसने इसे संग रख लिया।
उसको नहीं किसी का भय,
निश्चय उसकी होती विजय।

है झूठ मुखौटों वाला,
न जाने किस क्षण गिर पड़े।
फिर न करे उस पर कोई,
विश्वास टूटा न जुड़े।

पकड़ो न इसका साथ तुम,
तुमको डुबोकर छोड़ेगा।
मिथ्या तुम्हारी बात पर,
कोई न नाता जोड़ेगा।

तुम सच कहो, सच ही जिओ,
आनंद के प्याले पिओ।
निश्चिंत और *स्वमान* से,
सुंदर अपना जीवन जिओ।

शब्द-अर्थ

हालात — स्थितियाँ *(conditions)*,
शत्रु — दुश्मन *(enemy)*,
रक्षक — हिफाजत करने वाला *(security guard)*,
निश्चिंत — बेफिक्र *(carefree)*,
स्वजन — अपने लोग *(dear ones)*,
सर्वदा — हमेशा *(always)*,
मिथ्या — झूठ *(false)*,
स्वमान — आत्मसम्मान *(self respect)*।

कविता का भावार्थ – प्रस्तुत कविता में कवि ने हमें अपने जीवन में श्रेष्ठ रीति से जीने के लिए सच को अपनाने का प्रोत्साहन दिया है। चाहे दिन चाहे रात चाहे हमारी स्थितियाँ कठिन या सरल हो, चाहे हमारे रास्ते में हमारा कोई अपना मिले या फिर हमारा कोई शत्रु लेकिन हमें हमेशा सत्य का साथ देना चाहिए। सच ने हर किसी को अपने साथ ले रखा है, वह हम सभी की रक्षा करने वाला सत्य है। जो सत्य के पथ पर चलता है उसे किसी का भय नहीं रहता उसकी निश्चिंत ही जीत होती है। झूठ का चेहरा मुखौटे वाला है वह किसी भी पल गिर सकता है। एक बार अगर झूठ पकड़ा गया वह किसी का विश्वास हासिल नहीं कर पाएगा और एक बार विश्वास टूट गया तो फिर जुड़ना मुश्किल हो जाता है। हमें झूठ का साथ नहीं लेना चाहिए यह हमेशा हमें बरबादी की कगार पर पहुँचा कर छोड़ेगा। झूठ बोलने से तुम्हारी बातों पर कोई भी नाता या रिश्ता नहीं रखेगा। हमें हमेशा सच कहना चाहिए और सच के सहारे ही जीना चाहिए जिससे हमारा जीवन आनंदमय हो जाएगा। बेफिक्र और आत्मसम्मान के साथ अपने सुंदर जीवन को जीना चाहिए। सच ही हमें भय से मुक्ति देकर आनंद प्रदान कर सकता है।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

सर्वदा	रक्षक	निश्चय	मुखौटा	मिथ्या
निश्चिंत	स्वमान	शत्रु	विश्वास	प्याले

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) प्रस्तुत कविता का शीर्षक क्या है?
(ख) स्वजन का क्या अर्थ है?
(ग) मुखौटा किसे कहते हैं?
(घ) स्वमान का क्या अर्थ है?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) सत्य बोलना चाहिए–

☐ कभी-कभी ☐ सदा ☐ कभी नहीं

(ख) सच बोलने वाले को नहीं होता–

☐ भय ☐ रोग ☐ ईर्ष्या

(ग) झूठ बोलने वाले पर कोई नहीं करता—

☐ विश्वास ☐ मुकदमा ☐ प्रशंसा

(घ) सच में मिलाना है—

☐ झूठ ☐ स्नेह रस ☐ जलन

2. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए—

(क) रक्षक ..... है,
..... लिया।
उसको नहीं ..... भय,
..... ।

(ख) तुम ..... जिओ,
..... पिओ।
निश्चिंत ..... ,
..... जिओ।

3. सही वाक्यों के सामने (✓) तथा गलत वाक्यों के सामने (✗) का निशान लगाइए—

(क) हमें सच को अपनाना चाहिए। ☐
(ख) सत्य सभी का शत्रु है। ☐
(ग) मिथ्या बातों पर सभी विश्वास कर लेते हैं। ☐
(घ) सच्चे व्यक्ति को किसी का भय नहीं होता। ☐
(ङ) हमें स्वमान के साथ जीवन जीना चाहिए। ☐

4. शब्दों को उनके अर्थों से मिलाइए—

शब्द	अर्थ
(क) शत्रु	(i) हिफाजत करने वाला
(ख) स्वजन	(ii) हमेशा
(ग) रक्षक	(iii) झूठ
(घ) सर्वदा	(iv) स्थितियाँ
(ङ) मिथ्या	(v) अपने लोग
(च) हालात	(vi) दुश्मन

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(क) किन-किन स्थितियों में सत्य को साथ रखना चाहिए?

(ख) झूठ बोलने के क्या परिणाम होते हैं?

(ग) किससे कोई नाता नहीं जोड़ना चाहता?

(घ) अपना जीवन हमें किस प्रकार जीना चाहिए?

भाषा-ज्ञान

1. निम्न शब्दों को समझकर इनके सामने समान तुक वाले शब्द लिखिए–

(क) हालात ..... (ख) छोड़ेगा .....

(ग) भय ..... (घ) पिओ .....

2. पढ़िए और समझिए–

(क)	हालात	–	परिस्थिति,	माहौल
(ख)	नाता	–	रिश्ता,	संबंध
(ग)	विजय	–	जीत,	फतह
(घ)	निश्चय	–	भरोसा,	विश्वास

3. शब्दों को उनके विपरीतार्थक शब्दों से मिलाइए–

(क)	चिंता	(i)	सत्य
(ख)	सुंदर	(ii)	पराजय
(ग)	विजय	(iii)	कुरूप
(घ)	शत्रु	(iv)	घृणा
(ङ)	मिथ्या	(v)	निश्चिंतता
(च)	स्नेह	(vi)	मित्र

क्रियात्मक गतिविधि

- 'सत्य के साथ जीना श्रेष्ठ है।' इस विषय पर पाँच पंक्तियाँ लिखिए–

.....

.....

.....

.....

.....

- क्या आप कभी झूठ बोलते हैं? यदि हाँ, तो क्यों और किन परिस्थितियों में?
- 'जब झूठ पकड़ा गया।' इस विषय पर कोई अपना या किसी साथी का या सुना हुआ अनुभव सुनाइए।